

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून-2008

प्रश्न पत्र-1

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (साधारण ज्योतिष)

1. ज्योतिष का तार्किक विवेचन करें।
अथवा
देश, काल और पात्र को ज्योतिष में क्यों महत्ता दी जाती है?
2. कर्मों की विभिन्न श्रेणियों को समझाएं।
3. ज्योतिष शास्त्र के कौन से गुण धर्म इसे विज्ञान सिद्ध करते हैं?
4. भाग्य और स्वतन्त्र इच्छा शक्ति की विवेचना कीजिए।
5. निम्न का संक्षिप्त में उत्तर दें :-
(क) ज्योतिष की कोई तीन उपयोगिताएं
(ख) अच्छे ज्योतिषी के तीन गुण
(ग) छः वेदांगों के नाम
(घ) मन्त्रेश्वर, पराशर व कल्याण वर्मा की एक-एक ज्योतिष कृति

भाग-II (ज्योतिष से सम्बन्धित खगोल शास्त्र)

6. सौर मंडल का चित्र बनाएं व विभिन्न ग्रहों के बारे में संक्षेप में बताएं।
अथवा
पंचांग की महत्ता बताएं।
7. किन्हीं तीन का उत्तर दें :-
(क) चक्री होना क्या है? (ग) धूमकेतु
(ख) कैपलर के नियम (घ) पृथ्वी पर चन्द्रमा का एक ही भाग क्यों दिखाई देता है?
8. किन्हीं चार पर टिप्पणी करें :-
(क) क्रांति वृत्त (ख) क्रांति (ग) भूचक्र
(छ) अयनांत (ड) भोगांश
9. (क) अयनांश क्या है?
(ख) संपात का अयन क्या है, समझाएं।
10. सूर्य ग्रहण को चित्र द्वारा समझाएं।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

समय : 3 घन्टे

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून-2008

कुल अंक : 50

प्रश्न पत्र-II

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (गणित ज्योतिष)

1. सुबह 6 बजकर 20 मिनट पर 8 जून 2008 को दिल्ली में जन्मे जातक की कुण्डली बनाएं।
2. (क) षडवर्ग क्या है? समझाएं।
(ख) प्रश्न 1 के लिए होरा व नवांश वर्ग बनाएं।
3. (क) 12.2.08 को सांय 5.30 (भा.मा.स) पर बेंगलोर में जन्मे जातक का लग्न ज्ञात करें।
(ख) उपरोक्त जातक की जन्म के समय शेष दशा ज्ञात करें।
4. निम्न कुण्डली के लिए द्रष्टाण, दशमांश, द्वादशांश, त्रिंशांश व सप्तांश बनाएं :

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	वृषभ	22:22
सूर्य	वृश्चिक	00:22
चन्द्र	धनु	21:00
मंगल	कर्क	26:59
बुध (व)	वृश्चिक	02:26
गुरु	कर्क	11:03
शुक्र	वृश्चिक	02:15
शनि (व)	कुंभ	29:36
राहु	मेष	22:20

जन्म : 16:11:1966, 19:15, बेंगलोर

5. संक्षिप्त में समझाएं :-
(क) मानक समय (ग) जी.एम.टी.
(ख) स्थानीय समय (घ) सांपातिक समय

भाग-II (फलित ज्योतिष)

6. ग्रहों के उच्च, मूल त्रिकोण, स्वग्रही व नीच से आप क्या समझते हैं? राहु केतु के अतिरिक्त सातों ग्रहों के लिए उपरोक्त स्थिति बताएं।
अथवा

कारक से आप क्या समझते हैं? सभी बारह भावों के कारकत्व बताएं।

7. ग्रह राशि अंश
लग्न तुला 05:46
सूर्य कुंभ 02:51
चन्द्र तुला 14:18
मंगल वृष 18:50
बुध मकर 11:18
गुरु कर्क 28:30
शुक्र धनु 29:37
शनि वृष 26:37
राहु कर्क 13:31

जन्म - 15.2.1944, 23.10, श्रीनगर

- (क) उपरोक्त कुण्डली में सूर्य व चन्द्र योग दर्शाएं।
 (ख) गुरु दो योग बना रहे हैं। वे कौन से हैं व कैसे बन रहे हैं?
 (ग) उपरोक्त में शुभ व अशुभ ग्रह कौन से हैं?

8.

किन्हीं दो का उत्तर दें :

- (क) केन्द्र अधिपत्य दोष
 (ख) तुला में गुरु के सामान्य फल
 (ग) मंगल के भकर में सामान्य फल

9.

किन्हीं दो की संक्षिप्त टिप्पणी दें :

- (क) बालारिष्ट व योगरिष्ट से आप क्या समझते हैं?
 (ख) मारक ग्रह
 (ग) लक्ष्मी-नारायण योग

10.

किन्हीं दो का उत्तर दें :-

- (क) जन्म समय शोधन से आप क्या समझते हैं?
 (ख) कन्या लग्न वाले जातक के सामान्य फल क्या होंगे?
 (ग) हर्ष योग

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून-2008

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-III

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ज्योतिषीय योग)

1. ज्योतिष में विभिन्न वर्ग कुण्डलियों की क्या महत्ता है? अपने उत्तर में नवांश व दशमांश के आधार पर चर्चा करें।

अथवा

निम्न कुण्डली में कोई पांच योग बताएं

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	कर्क	03:28
सूर्य	कन्या	20:17
चन्द्र	वृष	22:44
मंगल	तुला	02:22
बुध	कन्या	09:46
गुरु	सिंह	22:23
शुक्र	तुला	17:22
शनि	मिथुन	17:27
राहु	कर्क	00:55
केतू	मकर	00:55

जन्म - 7:10:1944, 00:53, 88 पू. 21, 22 उ. 46, च. 0 व 5 मा 10 दि

2. प्रथम, चतुर्थ, सप्तम व दशम भाव से क्या अभिप्राय हैं?
3. किसी जातक के धन की स्थिति कुण्डली में किस प्रकार देखते हैं? कौन से योग जातक को धनी या निर्धन बनाते हैं?
4. उदाहरण सहित निम्न योगों पर चर्चा करें।
(क) केमदुम व दुरधरा
(ख) पाप करतरी व शुभ करतरी
5. नीच के ग्रह का क्या प्रभाव पड़ता है? क्या नीच भंग संभव है? यदि हाँ, तो कैसे?

भाग-II (प्रश्न कुण्डली)

6. (क) 30.7.2008 को प्रातः 10.30 पर चेन्नई में जन्म लेने वाले जातक को कौन सी विंशोत्तरी दशा शेष मिलेगी?
(ख) विंशोत्तरी दशा में गुरु की महादशा कौन से सामान्य फल मिलते हैं?
अथवा
प्रत्यंतर दशा नाथ का फलित में क्या प्रयोग है, चर्चा करें?
7. किन्हीं दो का उत्तर दें :-
(क) वेध व विपरीत वेध
(ख) मूर्ति निरणय सिद्धांत
(ग) गुरु के सिंह में गोचर के सामान्य फल
8. प्र. 1 के जातक की शनि महादशा में प्राप्त होने वाले फलों पर चर्चा करें।
9. योग क्या है? योग के बल का किस प्रकार निर्धारण करते हैं व योग कब फलीभूत होता है?
10. राहु के सभी बारह राशियों में क्या सामान्य फल मिलते हैं?

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

સમય : 3 ઘન્ટે

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून-2008

कुल अंक : 50

प्रश्न पत्र-IV

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-। (ताजिक शास्त्र)

1. 11.10.1942 रविवार को 16:04 बजे इलाहाबाद उ.प्र. (81पू. 51, 25 उ. 27) में जन्मे जातक की 2007-08 की वर्ष कुण्डली बनाएं।
2. किन्हीं चार पर संक्षिप्त में लिखें :

क. इकबाल योग	ख. गैरी कम्बूल योग
ग. वर्षेश	घ. मुन्था
ड. लग्नेश व कार्येश	
3. सहम क्या है? पुण्य सहम व विद्या सहम की महत्ता बताएं।
4. वर्षेश के साधन के नियम बताएं।
5. वर्ष कुण्डली का क्या महत्त्व है? इसका जन्म कुण्डली से क्या संबंध है?

भाग-॥ (सुहृत्)

6. किन्हीं दो का उत्तर दें :
(क) मुहूर्त का महत्व
(ख) अभिजित मुहूर्त
(ग) मुहूर्त निर्धारण में ग्रहण का संबंध
7. मुहूर्त निर्धारण में किन विशेष योगों को ध्यान में रखा जाता है? चर्चा करें।
8. किन्हीं दो पर संक्षिप्त में टिप्पणी करें :
(क) संक्रांति (ख) मुहूर्त में लग्न का महत्व
(ग) घर के मुख्य द्वार लगाने के मुहूर्त निर्धारण के नियम
9. विवाह मुहूर्त निर्धारण के सिद्धान्तों में क्या-क्या विचारणीय हैं?
10. मुहूर्त निर्धारण में 21 महादोषों से आप क्या समझते हैं? उनके नाम बताएं।